Publication	Dainik Jagran	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/03/2024	Page no	12
CCM	13.66		

Urban cooperative banks will be further strengthened

शहरी सहकारी बैंक और सशक्त बनाए जाएंगे

जाब्यू, नई दिल्ली : 'सहकार से समृद्धि' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र को अत्यधिक सशक्त बनाने की तैयारी है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को इन बैंकों के मूल संगठन नेशनल अर्बन को-आपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) का उद्घाटन करेंगे। संगठन का उद्देश्य शहरी सहकारी बैंकों को आधुनिक एवं सशक्त करना है।

अभी देश में 1,500 से अधिक अनुसूचित और गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक हैं, जिनकी कुल शाखाओं की संख्या 11 हजार से अधिक है। इनके पास 5.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की जमा राशि है। साथ ही इन्होंने 3.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण कर रखा है। इनमें से कई बैंक पुराने तरीके से काम करते हैं, जिससे नवीनतम सेवाएं नहीं मिल पाती हैं। अब एनयूसीएफडीसी का हिस्सा बनकर अधिकांश बैंक नई तकनीक में अपग्रेड करने और नए उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करने में सक्षम होंगे।

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from SAMVAD

Publication	Jansatta	Language	Hindi
Edition	New Delhi	Journalist	Bureau
Date	01/03/2024	Page no	12
CCM	20.91		

Banega will inaugurate urban banking sector, New Delhi, 29 February

शहरी बैंकिंग क्षेत्र का बनेगा नया संगठन, अमित शाह करेंगे उद्घाटन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 29 फरवरी।

शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र का अपना एक संगठन होगा जो शहरी बैंकों को निधि आधारित और गैर-निधि आधारित सहायता की सुविधाएं प्रदान करेगा। शहरी सहकारी बैंकों के अम्ब्रेला संगठन, नेशनल अर्बन कोआपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (एनयूसीएफडीसी) का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे। इस पर करीब दो दशकों से चर्चा चल रही थी। एनयूसीएफडीसी का लक्ष्य पूंजी जुटाकर 300 करोड़ रुपए के पूंजी आधार तक पहुंचना है। इस पूंजी का उपयोग शहरी सहकारी बैंकों को समर्थन देने और सेवा पेशकशों में सुधार और लागत कम करने के लिए एक साझा प्रौद्योगिकी मंच विकसित करने में किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह केंद्रीय संगठन (अम्ब्रेला), तरलता और पूंजी समर्थन की पेशकश के साथ साथ एक प्रौद्योगिकी मंच स्थापित करेगा, जिससे संबंधित संगठनों को अपेक्षाकृत कम लागत पर अपनी सेवाओं की सीमा का विस्तार करने में मदद मिलेगी। यह फंड प्रबंधन और अन्य परामर्श सेवाएं भी प्रदान कर सकता है। वर्तमान में भारत में 1,500 से अधिक अनुसूचित और गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंक हैं जिनकी कुल शाखाओं की संख्या 11,000 से अधिक है।

****

Internal (for authorised circulation only)

Downloaded from
SAMVAD